तृतीय वर्ष

सत्र - V

साहित्यिक निबंध -

१. भारत वर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है - भारतेदुं हरिश्चंद्र

२. कुटज - हजारी प्रसाद दिवेदी

३. क्रोध - रामचंद्र शुक्ल

४. बैलगाडी से - श्रीलाल शुक्ल

५. पहला सफेद बाल - हरिशंकर परसाई

६. साहित्य और जीवन - नंद दुलारे वाजपेयी

७. कला में व्यक्तित्व और चरित्र - रामधारी सिंह दिनकर

८. छाता - प्रभाकर माचवे

९. धोखा - प्रतापनारायण मिश्र

१0. साहित्य - शिवपुजन सहाय

पाठ्यपुस्तकेतर पाठ्यक्रम

१.पारिभाषिक शब्दावली (पदनाम)

२. समाचार पत्र के लिये समाचार लेखन

३. पल्लवन